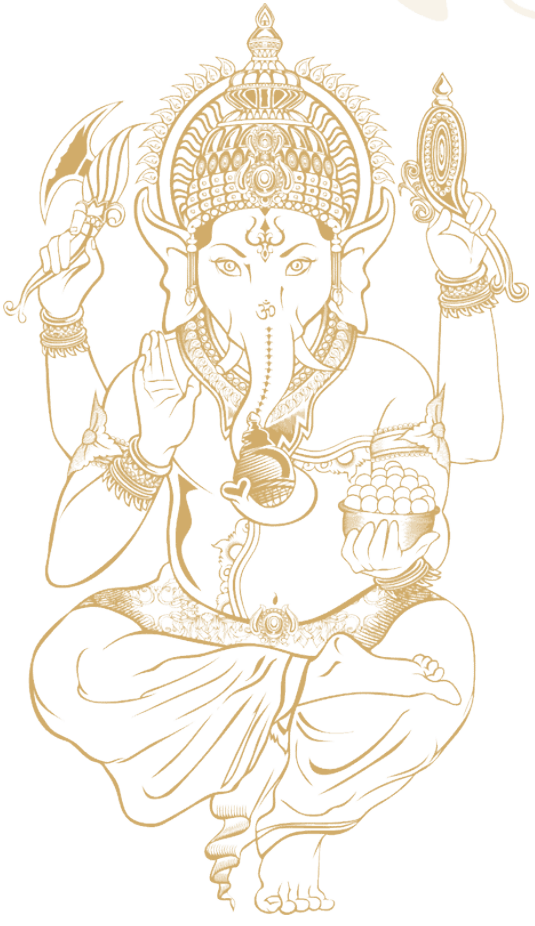

Pranay jaipur

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121590403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/01/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:15:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 12:24:00	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:24	सूर्योदय	06:10:53
17:54:29	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 4मा 26दि		05:00:45	मेष	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
शनि		00:35:18	मक	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
12/06/2014		18:13:04	तुला	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
12/06/2033		11:33:00	मक	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
शनि	15/06/2017	08:35:25	मक व	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
बुध	23/02/2020	08:52:20	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
केतु	03/04/2021	06:18:37	कुंभ	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
शुक्र	02/06/2024	26:41:37	कुंभ	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
सूर्य	15/05/2025	27:46:05	कन्या व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
चन्द्र	15/12/2026	27:46:05	मीन व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
मंगल	23/01/2028	06:22:15	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
राहु	29/11/2030	01:24:43	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
गुरु	12/06/2033	08:34:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

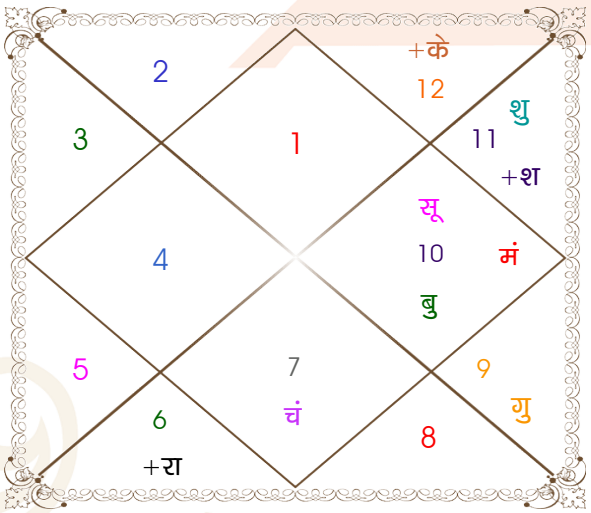

लग्न-चलित

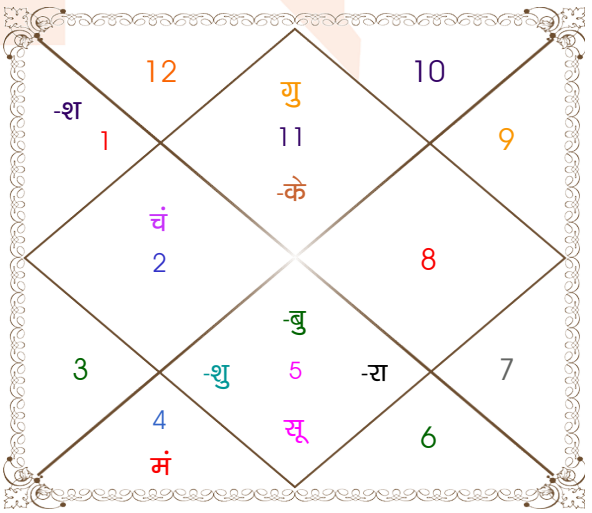

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

च्तंदंल रंपचनत का वर्ग सर्प है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार च्तंदंल रंपचनत और V का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंदंल रंपचनत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

च्तंदंल रंपचनत तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूV गुण नहीं मिलते हैं।